दिया। ''तुम्हारा पक्ष निस्संदेह सही है'' वह कहता गया ''तुम उनका विरोध करके बिलकुल ठीक कर रहे हो। यह सब इसी तरह चलता नहीं रह सकता। आओ, हम जरा शांतिपूर्वक और बातें करें।''

वह एक मोड़ की ओर बढ़ा, हम उसके पीछे-पीछे चले। हम लोगों के पीछे एक नवयुवक चल रहा था, जो शकल-सूरत से एक विद्यार्थी और मजदूर के बीच का प्रतीत होता था। वह कई बार हमारी ओर देखकर मुस्काया, मानो उसे हमसे कुछ कहना हो। वह लाल बाल वाला भद्र पुरुष हमें एक निर्जन कैफे में ले गया और हम उसके पीछे-पीछे उसमें घुसे। वह युवक

इस तरह नहीं चल सकता। किसानों में असंतोष चरम सीमा पर है। परन्तु तुम अशिक्षित हो। तुम्हें किसी शिक्षित व्यक्ति की आवश्यकता है जो तुम्हारा नेतृत्व करे। डॉन सर्कोस्टेंजा ने मुझे तुम्हारे बारे में बहुत सहानुभूति से सब कुछ बताया है। वह तुम्हारे प्रति शुभकामना रखता है। पर उसे चतुराई से काम लेना पड़ता है, जिससे वह अपने आपको दूसरों की निगाह में गिरा न दे।

हमारे पीछे आया, एक पल को ठिठका और तब हमारे पीछे चलकर हमारी मेज के पास ही एक मेज के पास बैठ गया।

''इस तरह नहीं चल सकता। किसानों में असंतोष चरम सीमा पर है। परन्तु तुम अशिक्षित हो। तुम्हें किसी शिक्षित व्यक्ति की आवश्यकता है जो तुम्हारा नेतृत्व करे। डॉन सर्कोस्टेंजा ने मुझे तुम्हारे बारे में बहुत सहानुभूति से सब कुछ बताया है। वह तुम्हारे प्रति शुभकामना रखता है। पर उसे चतुराई से काम लेना पड़ता है, जिससे वह अपने आपको दूसरों की निगाह में गिरा न दे। यदि तुम्हें मेरी आवश्यकता हो, तो मैं तुम्हारी सेवा के लिए प्रस्तुत हूं। यदि तुम्हारी कोई योजना हो तो मेरी सलाह लेना। समझ में आया।''

उस अपरिचित मनुष्य का तरीका और हमारी सेवा के लिए स्वयं को पूर्णतः प्रस्तुत करना किसी को भी शंकालु बना सकता था, जो हमारी जैसी मानसिक अवस्था में न हो। यह पहला अवसर था जब शहर का एक आदमी हमसे सहानुभूति पूर्ण ढंग से बोला था। हमने उसे बोलने दिया- ''मैं तुम्हारी मानसिक स्थिति समझता हूं'' उसने कहा। ''तुम्हें समझने के लिए तुम्हारे में झांक लेना पर्याप्त है। पुलिस ने तुम्हें एक घंटे के अंदर ऐवेजानो छोड़ देने के लिए कहा था, पर तुम अभी भी यहां हो। मैं तुम्हारी बात समझता हूं। तुम अधिकारियों के विरुद्ध कुछ करना चाहते हो। यह स्पष्ट है, तुम इसे अस्वीकार नहीं कर सकते। और मैं यहां क्यों हूं? अरे,तुम्हारी सहायता करने, तुम्हें सलाह देने, तुम्हारे साथ अपने आपको बलिदान करने के लिए समझे?''

हम जरा भी नहीं समझे। पोज़ियो पिलानो कुछ कहने ही वाला था कि बरार्डो ने कुहनी से उसे चुप रहने का संकेत किया।

''बहुत अच्छा'' वह आदमी कहता गया। ''मैं भी सरकार का शत्रु हूं। शायद तुम्हें शस्त्रों की आवश्यकता है। हां तुम अधिकारियों पर एक प्रहार करना चाहते हो, पर साधनों का अभाव है, तुम्हारे पास शस्त्र नहीं है। पर मैं तुमसे कहता हूं, शस्त्र पाना कठिन नहीं है, सरल है, सचमुच बहुत आसान है, दुनिया में इससे सरल कुछ नहीं है।''

हम अभी तक एक शब्द नहीं बोले थे, पर वह प्रश्न पूछता गया और स्वयं ही उत्तर देता गया।

''तुम कह सकते हो : यह सब सुनने में बड़ा अच्छा लगता है, पर कथनी एक बात है और करनी दूसरी बात। अच्छा, मेरी परीक्षा ले लो। पन्द्रह मिनट इंतजार करो और जो तुम चाहते हो, मैं तुम्हें लाता हूं। इतना ही नहीं मैं तुम्हें उनका प्रयोग भी बता दूंगा। अब भी तुम्हें मेरी बात पर संदेह है। अब भी तुम्हें मुझ पर विश्वास नहीं है। अच्छा, यही मेरी प्रतीक्षा करो।''

वह उठा, हमसे हाथ मिलाये, शराब के आर्डर के पैसे चुकाये और बाहर चला गया।

ज्यों ही वह गया, अगली मेज वाला वह युवक हमारे पास आया और बोला- ''वह पुलिस का एक गुप्तचर है और भड़काने वाला है। सावधान रहो। वह तुमको एक बम लाकर देगा और फिर तुम्हें कैद करवा देगा। उसके आने से पहले ही भाग जाओ।''

हम ऐवेजानो से चल पड़े, खेतों के बीच में से निकलकर सड़क पर पहुंचे, जिससे वह भड़काने वाला दलाल न मिले।

पैदल, भूखे-प्यासे और कटुता से भरे हुए, हम उस सड़क से लौटे, जिससे सुबह आशा से भरे हुए और सन्त रोक्को का झण्डा हवा में उड़ाते हुए ऐवेजानो के लिए आए थे। हम लगभग अर्धरात्रि में फॉन्टामारा पहुंचे। तीन बजे हम फिर उसी सड़क पर फ्यूसिनो को जा रहे थे, क्योंकि कटाई शुरू हो गई थी। ■